तिरहुत शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय

कृष्ण नंदन सहाय नगर, झपहाँ, मुजफ्फरपुर

Estd.-1938

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास एक नजर में

इस महाविद्यालय की स्थापना सन् 1938 में एक इन्टीच्यूट के रूप में की गयी थी। जो सन् 1943 में बदल कर एक महाविद्यालय के रूप में परिवर्तित हो गया।

महाविद्यालय को सर्व-प्रथम पटना विश्वविद्यालय के द्वारा मान्यता दी गयी थी तथा सत्र 1947-48 से डी.पी. एड. का शिक्षण आरंभ किया गया था। शिक्षण का यह कार्यक्रम पटना विश्वविद्यालय से अलग होने तक चलता रहा। इसके पश्चात इस महाविद्यालय में राज्य सरकार के मान्यता अनुकुल सी.पी.एड. तथा डी.पी.एड. की पढ़ाई आरंभ की गयी और इसकी परीक्षा का आयोजन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना के द्वारा किया जाने लगा।

माना जाता है कि यह महाविद्यालय पूर्वी भारत की एक सबसे पुरानी संस्था है, जिसमें नामांकन लेने हेतु पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि सभी प्रान्तों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ आते थे। और प्रशिक्षण ग्रहण करते थे। उस काल में भारत का यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय माना जाता था।

सन् 1942 में इस महाविद्यालय में तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त के साथ एक एकरारनामा किया था, जिसके तहत इस महाविद्यालय को कम्पनी बाग, मुज0 के मैदान में संचालित करने की अनुमति मिली। और यह महाविद्यालय उसी स्थल पर संचालित होता रहा।

सन् 1983 में महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री कृष्ण नंदन सहाय के नेतृत्व में महाविद्यालय के नाम पर 31.07 एकड़ भूमि मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी मार्ग पर 12 कि0मी0 की दूरी पर झपहाँ में खरीदी गयी और उसमें अनेक भवनों के निर्माण का कार्य आरंभ किया गया।

सन् 1992 में महाविद्यालय के नये स्थल पर अनेक भवन तैयार हुए, जिसमें दो मंजिला प्रशासनिक भवन, 32 कमरों का छात्रों का छात्रावास, राष्ट्रीय स्तर का जिम्नाजियम हॉल आदि का निर्माण हुआ। इसके अलावा 400 मीटर का ट्रैक के साथ सभी खेलों के कोर्ट का निर्माण कराया गया। सन् 1992 में यह महाविद्यालय कम्पनी बाग, मुजफ्फरपुर से स्थानान्तरीत हो कर नवनिर्मित भवन, झपहाँ, मुजफ्फरपुर में संचालित होने लगा। जिसमें आप सभी उपस्थित हैं।

तिरहुत शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय सोसायटी का निबंधन बिहार सरकार के निबंधन विभाग के द्वारा निबंधन संख्या-205, दिनांक 20.08.1990 के तहत किया गया था।

यह प्रसन्नता का विषय है कि इस महाविद्यालय को भारत सरकार की वैद्यानिक संस्था एन.सी.टी.ई के द्वारा बी. पी.एड. (दो-वर्षिय) पाठ्यक्रम के सत्र 2015-16 से संचालन हेतु मान्यता प्रदान किया गया है। बी.आर.ए.बिहार विश्वविद्यालय के आदेश अंतर्गत सत्र 2015-16 से बी.पी.एड. कोर्स की पढ़ाई शुरू हो चुकी है।

आशा है कि पुनः तिरहुत शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में गौरवमयी मील का पत्थर स्थापित कर सकेगा।